(क) क्या हाल ही में दिल्ली में इजराइली दूतावास की गाड़ी पर हुए आतंकी हमले में नए तरीकों का उपयोग किया गया था और क्या इस तरह के और भी हमले होने की संभावना है;

(ख) यदि हां, तो इस तरह के नए तरीकों के मद्देनजर सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गए हैं;

(ग) क्या सभी राज्यों की पुलिस से मंत्रणा करने के बाद सरकार इस नए तरके से निपटने के लिए अपनी रणनीति में सुधार की जरूरत महसूस करती है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री **(श्री जितेन्द्र सिंह)**

**(क): जी, हाँ। दिनांक 13.2.2012 को इजरायली दूतावास के वाहन पर हाल के हमले में एक नई डिवाइस अर्थात मैग्नेटिक स्टिकी बम का उपयोग किया गया था। आसूचना एजेन्सियों के पास ऐसे और हमलों की संभावना के संबंध में कोई विशेष जानकारी नहीं है।**

**(ख) से (घ) : विश्व के कई आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में ‘रिमोट मैग्नेटिक बम’ एक पुरानी और प्रचलित आतंकी तकनीक है। राष्ट्रीय सुरक्षा गारद राज्य तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कार्मिकों के लिए बम निपटान के विभिन्न पहलुओं अर्थात खोज, पता लगाने, पहचान, आई ई डी के सुरक्षित निपटान के लिए, उनकी अक्रामक दक्षताओं में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए “प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण” पाठ्यक्रम आयोजित करता है।**

**राष्ट्रीय सुरक्षा गारद द्वारा आयोजित किए गए बम निपटान प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का ब्यौरा निम्नानुसार है:-**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **क्रम संख्या** | **पाठ्यक्रम का नाम** | **एक प्रशिक्षण वर्ष में पाठ्यक्रम** | **प्रति पाठ्यक्रम क्षमता** |
| **1.** | **बम निपटान (राज्‍य पुलिस)** | **3** | **100** |
| **2.** | **बम निपटान (रक्षा सेवाएं/केन्द्रीय पुलिस संगठन)** | **01** | **100** |
| **3.** | **बम निपटान** | **01** | **100** |